# University in News on 24 May 2025

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

### भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी अंशिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की छात्रा और 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी कैडेट अंशिका कुमारी वियतनाम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनका चयन वियतनाम में आयोजित होने वाले एनसीसी कैडेट्स यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में हुआ है। यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है। इसमें सीमित संख्या में ही कैडेटों का चयन होता है। इस वर्ष अंशिका कुमारी को सीधे प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

## JAGRAN CITY PAGE IV

अंशिका कुमारी • सौ. लविवि

### लविवि : एनसीसी कैडेट अंशिका का हुआ चयन

जासं • लखनऊ : लविवि के विधि संकाय की छात्रा एवं 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी की कैडेट अंशिका कुमारी को वर्ष 2025-26 के लिए वियतनाम में होने वाले एनसीसी कैडेट्स यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाइईपी) के लिए चयनित किया गया है। यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें सीमित संख्या में ही कैडेटों का चयन होता है। इस वर्ष अंशिका कुमारी को सीधे प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। अंशिका कुमारी के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. वीडी सिंह एवं शिक्षकों ने बधाई दी।

## i-NEXT PAGE 4

### यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए छात्रा का चयन

लखनऊ यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ लॉ की स्टूडेंट और 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी कैडेट अंशिका कुमारी को 2025-26 में वियतनाम में आयोजित होने वाले यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए सिलेक्ट किया गया है. यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें अंशिका कुमारी को प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है. जिसको लेकर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और डीन लॉ फैकल्टी प्रो. बीडी सिंह ने अंशिका को बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

### 'स्वतंत्रता संग्राम के समाजशास्त्रीय पक्षों का अध्ययन करें शोधार्थी'

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में शुक्रवार को 'भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के एकीकरण की संभावनाएं' विषय पर विशेष व्याख्यान हुआ। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के समाजशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजीव गुप्ता ने कहा कि मुख्यधारा की समाजशास्त्रीय सिद्धांतों में अक्सर 'साधारण व्यक्ति' की अवधारणा को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। इस संदर्भ में उन्होंने सामाजिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं को जोड़ने वाले एक समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समाजशास्त्रीय पक्षों पर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डीआर साहू, अन्य शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे।

## VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

### लविवि की अंशिका कुमारी का वियतनाम युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की छात्रा तथा 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, लखनऊ की कैडेट अंशिका कुमारी को वर्ष 2025-26 के लिए वियतनाम में आयोजित होने वाले एनसीसी कैडेट्स यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए चयनित किया गया है। यह उत्तर प्रदेश व लखनऊ विश्वविद्यालय दोनों के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें सीमित संख्या में ही कैडेटों का चयन होता है। इस वर्ष अंशिका कुमारी को सीधे प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किवा गया है। अंशिका कुमारी के चयन पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाधयक्ष प्रो. बीडी सिंह तथा शिक्षकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

## AMRIT VICHAR PAGE 4

### लविवि की छात्रा वियतनाम युवा कार्यक्रम के लिए चयनित

**अमृत विचार, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की छात्रा व 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, लखनऊ की कैडेट अंशिका कुमारी को वर्ष 2025-26 के लिए वियतनाम में आयोजित होने वाले एनसीसी कैडेट्स यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम हेतु चयनित किया गया है। यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें सीमित संख्या में ही कैडेटों का चयन होता है। इस वर्ष अंशिका को सीधे प्रतिनिधिमंडल का सदस्य नामित किया गया है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो बी डी सिंह ने शुभकामनाएं दी ।

## PIONEER PAGE 3

### व्याप्त मिथकों को सूचनात्मक विश्लेषण के जरिए चुनौती देने वाला ही समाजशास्त्री

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**लखनऊ** विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में शुक्रवार को भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के एकीकरण की संभावनाएँ विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान प्रो. राजीव गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

प्रो. गुप्ता ने अपने व्याख्यान की शुरुआत एक गूढ़ प्रश्न से की क्या आप एक सामान्य व्यक्ति का अध्ययन एक सामाजिक विज्ञान शोधकर्ता के रूप में कर सकते हैं? उन्होंने बताया कि मुख्यधारा की समाजशास्त्रीय सिद्धांतों में अक्सर साधारण व्यक्ति की अवधारणा को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। इस संदर्भ में उन्होंने सामाजिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं को जोड़ने वाले एक समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समाजशास्त्रीय पक्षों पर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया, जिसे एक समृद्ध लेकिन उपेक्षित क्षेत्र बताया।

उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और अनुसूचित जनजातियों की सांस्कृतिक विकास यात्रा जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा की और बताया कि किस प्रकार स्थानीय परंपराएँ 'महान परंपराओं' में रूपांतरित होती हैं। प्रो. गुप्ता के व्याख्यान का प्रमुख आकर्षण था—सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अंतरविषयी पद्धति अपनाने का आग्रह। उन्होंने कहा, एक समाजशास्त्री वह होता है जो समाज में व्याप्त मिथकों को सूचनात्मक विश्लेषण के माध्यम से चुनौती देता है और उन्हें खंडित करता है।

### एलयू की छात्रा अंशिका कुमारी का वियतनाम युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम हेतु चयन

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की छात्रा तथा 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, लखनऊ की कैडेट अंशिका कुमारी को वर्ष 2025-26 के लिए वियतनाम में आयोजित होने वाले एनसीसी कैडेट्स यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) हेतु चयनित किया गया है। यह उत्तर प्रदेश व लखनऊ विश्वविद्यालय दोनों के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें सीमित संख्या में ही कैडेटों का चयन होता है। इस वर्ष अंशिका कुमारी को सीधे प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

## RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

### लविवि की छात्रा अंशिका का वाईईपी में चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की छात्रा तथा 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, लखनऊ की कैडेट अंशिका कुमारी को वर्ष 2025-26 के लिए वियतनाम में होने वाले एनसीसी कैडेट्स यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में चयनित किया गया है। यह उप्र व लविवि दोनों के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। यह कार्यक्रम भारत और वियतनाम के युवाओं के वीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को वढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें सीमित संख्या में ही कैडेटों का चयन होता है। इस वर्ष अंशिका कुमारी को सीधे प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। अंशिका कुमारी के चयन पर लविवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय व विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाधयक्ष प्रोफेसर वीडी सिंह एवं शिक्षकों ने वधाई दी।

### मिथकों पर प्रहार ही समाजशास्त्री की पहचान : प्रो. गुप्ता

लखनऊ(एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में शुक्रवार को भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के एकीकरण की संभावनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान को प्रो राजीव गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर) ने प्रस्तुत किया।

प्रो. गुप्ता ने वताया कि मुख्यधारा की समाजशास्त्रीय सिद्धांतों में अक्सर 'साधारण व्यक्ति' की अवधारणा को स्पष्ट रूप से परिभाषित नही किया गया है। इस संदर्भ में उन्होंने सामाजिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं को जोड़ने वाले एक समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर वल दिया। उन्होंने शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समाजशास्त्रीय पक्षों पर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया, जिसे एक समृद्ध लेकिन उपेक्षित क्षेत्र वताया।

उन्होंने वाल विवाह, सती प्रथा और अनुसूचित जनजातियों की सांस्कृतिक विकास यात्रा जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा की और वताया कि किस प्रकार स्थानीय परंपराएँ महान परंपराओं में रूपांतरित होती है। प्रो गुप्ता ने कहा कि एक समाजशास्त्री वह होता है जो समाज में व्याप्त मिथकों को सूचनात्मक विश्लेषण के माध्यम से चुनौती देता है और उन्हें खंडित करता है।